संपादकीय

कोरोना ग्रसित आर्थिकी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने दुनिया के मंदीकाल में प्रवेश होने की बात स्वीकार की है। जाहिर-सी बात है कि कोरोना वायरस से छिन्न-भिन्न अर्थतंत्र में ऐसी आशंकाएं पहले से ही विद्यमान थीं। भारत में तीन सप्ताह के लॉकडाउन के बाद ऐसे ही कयास लगाये जा रहे थे। निःसंदेह भारत की अर्थव्यवस्था में पहले से ही मंदी के प्रभाव देखे जा रहे थे जो सरकार व केंद्रीय बैंक के मौद्रिक उपायों के बावजूद आशा अनुकूल परिणाम नहीं दे पाये। हालांकि, जब तक कोरोना वायरस का घातक प्रभाव समाप्त नहीं हो जाता है तब तक आर्थिकी की सही तस्वीर उभर नहीं पाएगी। देखना होगा कि इसका प्रभाव देश-विदेश में कितना होने वाला है। जिस तरह देश-विदेश की आर्थिक गतिविधियां थमी हुई हैं और एक अघोषित संचारबंदी जारी है, उसका प्रभाव अर्थतंत्र पर पड़ना स्वाभाविक था। लेकिन इसके अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन तब तक ठीक-ठीक नहीं किया जा सकता है जब तक हम इस वायरस संक्रमण को पूरी तरह खत्म नहीं कर पायें। यूं तो हम पिछले एक वर्ष से धीमी विकास दर से जूझ रहे थे मगर वायरस संक्रमण ने आर्थिकी की राह में गहरी खाइयां खड़ी कर दी हैं। वैश्विक यात्रा प्रतिबंधों व आपूर्ति श्रृंखला टूटने से आर्थिकी की रफ्तार पर अंकुश लगा है। होटल, पर्यटन समेत समस्त आर्थिक परिदृश्य थमा हुआ नजर आ रहा है। जाहिर तौर पर रोजगार के अवसरों का संकुचन होगा। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने तरलता संकट को दूर करने के प्रयास हालिया घोषित मौद्रिक नीति के जरिये किये हैं, जिसको दुनिया में सकारात्मक प्रतिसाद भी मिला है। इन विषम परिस्थितियों में ये मौद्रिक उपाय कितने कारगर होते हैं, यह आने वाला वक्त ही बताएगा। कोरोना संकट से उपजे हालात ने हमें यह सबक तो दिया ही है कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की जरूरत है। इसके लिए बजट बढ़ाने की जरूरत है ताकि भविष्य में हम ऐसी चुनौतियों का मुकाबला अर्थव्यवस्था को धीमा किये बिना कर सकें। विश्वास किया जाना चाहिए कि देश इस अवसाद काल से जल्दी उभरेगा।

निःसंदेह हमारे सामने 2008-09 की मंदी के सबक हैं। हमें अपनी अर्थव्यवस्था को गति देते समय ध्यान देना होगा कि यह घटनाक्रम वैश्विक स्तर पर है। हम इस मुश्किल स्थिति को अपने लिये अवसर में बदल सकते हैं। आयात की निर्भरता खत्म करके इन उत्पादों को देश में तैयार करके आर्थिकी को स्वावलंबी बना सकते हैं। भारत दुनिया का सबसे अधिक युवाओं का देश है। श्रम शक्ति की प्रचुरता का यदि सही ढंग से नियोजन हो सके तो देश की आर्थिकी को गति मिल सकती है। सरकार ऐसे उद्योगों को सब्सिडी देकर प्रोत्साहन दे सकती है। इससे जहां आयात कम होगा, वहीं देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

शीर्ष दस में सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.82 लाख करोड़ घटा

नयी दिल्ली (आरएनएस)। सेंसेक्स की शीर्ष दस कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 2,82,548.07 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा रहीं।

बीते सप्ताह कोरोना वायरस की मार से दुनियाभर के बाजारों में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान यहां भी बीएसई सेंसेक्स 2,224.64 अंक या 7.46 प्रतिशत टूट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 61,614.15 करोड़ रुपये घटकर 6,20,794.53 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 50,199.49 करोड़ रुपये घटकर 4,46,065.35 करोड़ रुपये पर आ गया। इसी तरह

कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 49,332.07 करोड़ रुपये घटकर 2,18,021.18 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 44,102.26 करोड़ रुपये घटकर 2,59,703.22 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का 34,691.74 करोड़ रुपये घटकर 1,85,436.82 करोड़ रुपये पर आ गया। इन्फोसिस के मूल्यांकन में 28,996.74 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 2,49,342.72 करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 13,611.62 करोड़ रुपये घटकर 2,31,288.35 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के उलट आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 18,315.42 करोड़ रुपये बढ़कर 2,18,555.87 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत भी 8,050.87 करोड़ रुपये बढ़कर 6,83,499.82 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 2,873.37 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,66,210.02 करोड़ रुपये रहा। शीर्ष दस की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा।

टोयोटा ने भारत में इटियॉस, कोरोला एल्टिस की बिक्री बंद की

नयी दिल्ली (आरएनएस)। जापान की वाहन कंपनी टोयोटा ने भारत में इटियॉस श्रृंखला और कोरोला एल्टिस की बिक्री बंद कर दी है। कंपनी ने बेहतर प्रौद्योगिकी वाले नए उत्पाद लाने के लिए अपने संयंत्रों में उत्पादन क्षमता को खाली करने के लिए यह कदम उठाया है।

जापान की वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टोयोटा और किर्लोस्कर समूह के संयुक्त उद्यम टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने 2010 में इटियॉस सेडान पेश की थी। 2011 में कंपनी ने इसका हैच संस्करण

इटियॉस लीवा उतारा था।

कंपनी घरेलू बाजार में इटियॉस श्रृंखला के 4.48 लाख वाहन बेच चुकी है। इसके अलावा इनकी 1.31 लाख इकाइयों का निर्यात किया गया है। कोरोला एल्टिस को भारतीय बाजार में 2003 में उतारा गया था। कंपनी भारत में इसकी 1.16 लाख इकायां बेच चुकी है।

कोरोना के कहर से रहेगा शेयर बाजार में अनिश्चितता का माहौल

मुंबई (आरएनएस)। कोरोना वायरस के गहराते प्रकोप के चलते शेयर बाजार में इस सप्ताह भी अनिश्चितता का माहौल बना रहेगा। सप्ताह के दौरान महावीर जयंती और गुड फ्राइडे का अवकाश होने के कारण घरेलू शेयर बाजार में तीन सत्रों में ही कारोबार होगा और इस दौरान विदेशी बाजारों से मिले संकेतों से भारतीय शेयर बाजार को दिशा मिल सकती है। विश्वव्यापी महामारी कोविड-19 का प्रकोप पूरी दुनिया में गहराता जा रहा है और भारत में भी कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर स्टीव ओ कीफ ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट को कहा अलविदा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट स्पिनर स्टीव ओ कीफ ने रविवार को फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्हें अगले घरेलू सत्र के लिए न्यू साउथ वेल्स की अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची से हटाया गया था जिसके बाद इस 35 वर्षीय क्रिकेटर ने यह फैसला किया।

लेफ्ट आर्म स्पिनर ओ कीफ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 9 टेस्ट मैच खेले जिनमें उन्होंने 35 विकेट लिए थे। साल 2017 में ओ कीफ आखिरी बार ऑस्ट्रेलियाई टीम की जर्सी में नजर आए थे जब उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ सितंबर में

टेस्ट मैच खेला। उन्होंने भारत के खिलाफ 2017 में पुणे में 12 विकेट चटकाए थे।

ओ कीफ ने पुष्टि की कि उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। न्यू साउथ वेल्स ने पिछले सत्र में शेफील्ड शील्ड जीती थी जिसमें ओ कीफ ने 22.25 की औसत से 16 विकेट लेकर अपना अच्छा योगदान दिया था। यह प्रतियोगिता में किसी भी स्पिनर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

अब तक 7 टी20 इंटरनैशनल मैच खेल चुके ओ कीफ ने कहा कि वह निराश हैं लेकिन न्यू साउथ वेल्स के फैसले को स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा, 'अपने देश की तरफ से खेलना और अपने प्रांत की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है लेकिन इससे भी अधिक गर्व इस पर है कि मैं कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ खेला।' जब मैं क्रिकेट खेलते हुए अपने दिनों की याद करता हूं तो लगता है कि मुझे सबसे अधिक इसी की कमी खलेगी।

जीवन बीमा पॉलिसीधारकों को प्रीमियम भुगतान के लिए मिला 30 दिन का और समय

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण ने जीवन बीमा पॉलिसीधारकों को प्रीमियम भुगतान के लिए 30 दिन का और समय दे दिया है।

कोरोना वायरस महामारी की वजह से देश लागू बंदी के मद्देनजर नियामक ने यह कदम उठाया है। ऐसे जीवन बीमा पॉलिसीधारक जिनके नवीकरण

की तारीख मार्च और अप्रैल में पड़ती है, उन्हें प्रीमियम भुगतान के लिए 30 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। इरडा स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों और तीसरा पक्ष मोटर बीमा के नवीकरण प्रीमियम का भुगतान करने के पहले ही अतिरिक्त समय दे चुका है। जीवन बीमा कंपनियों और जीवन बीमा परिषद ने नियामक से प्रीमियम भुगतान के लिए अतिरिक्त समय देने की मांग की थी। नियामक ने निर्देश जारी कर पॉलिसीधारकों को प्रीमियम भुगतान के लिए 30 दिन का अतिरिक्त समय दिया है। बीमा कंपनियों और परिषद ने इस बात को लेकर चिंता जताई थी।

जनवरी में रीट, इनविट में म्यूचुअल फंडों का निवेश 58 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली (आरएनएस)। निवेश के उभरते माध्यमों रियल एस्टेट निवेश न्यास (रीट) और बुनियादी संरचना निवेश न्यास (इनविट) में म्यूचुअल फंडों का निवेश जनवरी माह में 58 प्रतिशत बढ़कर 980 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी में म्यूचुअल फंडों ने रीट में 71

करोड़ रुपये तथा इनविट में 909 करोड़ रुपये निवेश किये। पिछले साल ये निवेश क्रमशः सात करोड़ रुपये और 611 करोड़ रुपये रहे थे। म्यूचुअल फंड पिछले एक साल से रीट और इनविट में निवेश बढ़ा रहे हैं।

आज का राशिफल

मेषः मेष राशि के जातकों को अधिक कार्य की थकान की वजह से आराम करने की चाहत होगी।

वृषभः बुद्धि के प्रयोग के द्वारा कार्यक्षेत्र में आने वाली सारी समस्याओं का हल आप निकाल लेंगे।

मिथुनः मिथुन राशि के जातकों के लिए यह समय कार्यक्षेत्र में कुछ नय करने का है। धन की प्राप्ति होगी परंतु खर्च सोच समझकर करें।

कर्कः कार्यक्षेत्र में ऊर्जा से भरे रहेंगे, जो भी करेंगे वह दिल से करेंगे। धन प्राप्ति के अच्छे अवसर मिलेंगे।

सिंहः सिंह राशि के जातक जो भी काम करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी। धन की प्राप्ति के अच्छे योग बन रहे है।

कन्याः कार्यक्षेत्र में भ्रम की स्थिति रहेगी, परंतु बुद्धि के सही इस्तेमाल से सभी कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे।

तुलाः इस राशि के जातक भावुकता में आकर कोई निर्णय ना करें, धन प्राप्ति के क्षेत्र में बाधाएं आएंगी जिसकी वजह से मन में टेंशन बना रहेगा।

वृश्चिकः कार्यक्षेत्र में बहुत मेहनत करनी होगी, उसके बाद भी मनु अनुकूल परिणाम नहीं मिलेंगे।

धनुः इस राशि के लोगों को ऑनलाइन मीडिया द्वारा अपने काम को पूर्ण करना चाहिए।

मकरः मकर राशि का शनि और उच्च का मंगल मकर राशि के जातकों को मेहनत करने का बल तथा रिस्क लेने की क्षमता प्रदान कर रहा है।

कुंभः इस राशि के जातकों का फोकस फाइनेंस पर ज्यादा होता है, इससे इस समय में अत्यधिक खर्चों की वजह से मन बेचैन रहेगा।

मीनः मीन राशि के जातकों के द्वारा की हुई पिछली मेहनत का फल मिलने का अच्छा समय है। धन प्राप्ति में मित्रों का सहयोग पूर्ण रूप से मिलेगा।

करण देओल को मिली दूसरी फिल्म

सनी देओल ने अपने बेटे करण देओल को फिल्म पल पल दिल के पास से बॉलिवुड में लॉन्च किया था। इस फिल्म में करण के साथ सहर बाम्बा ने बॉलिवुड में डेब्यू किया था।

भले ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई जलवा नहीं दिखा सकी हो लेकिन करण और सहर दोनों को ही पसंद किया गया था। पहली फिल्म फ्लॉप होने के बाद करण किसी जल्दबाजी में फैसला नहीं ले रहे हैं। हालांकि अब उन्हें दूसरी फिल्म मिल गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो करण अब एक तेलुगू सुपरहिट फिल्म के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। खबर है कि करण की इस दूसरी फिल्म को भी उनके पापा सनी देओल ही प्रड्यूस करेंगे। यह फिल्म तेलुगू फिल्म ब्रोचेवरेवरुआ का रीमेक होगी और सनी ने इस फिल्म के राइट्स खरीद लिए हैं। यह सुपहिट फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी और इसे काफी पसंद किया गया था। ब्रोचेवरेवरुआ एक क्राइम कॉमिडी थ्रिलर फिल्म थी जिसमें श्री विष्णु, निवेता थॉमस, निवेता पेतुराज और सत्यदेव कंचरण ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

यह फिल्म ऐसे 3 दोस्तों की कहानी है जिनका पढ़ाई में बिल्कुल मन नहीं लगता है। इन तीन दोस्तों के ग्रुप में एक और लड़की की एंट्री होती है जिसके बाद इनकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है। इस फिल्म का प्लॉट काफी इंटरेस्टिंग था।

फ्लोरा सैनी की लघु फिल्म रिलीज के लिए तैयार

हिट बॉलीवुड फिल्म स्त्री और वेब सीरीज गंदी बात में अभिनय कर चुकी अभिनेत्री फ्लोरा सैनी अपनी लघु फिल्म मदरलैंड के जल्द ही ऑनलाइन रिलीज होने को लेकर काफी उत्साहित हैं।

देशभर में लॉकडाउन लागू होने की बात कहते हुए फ्लोरा ने कहा, मुझे खुशी है कि फिल्म जल्द ही यूट्यूब पर रिलीज हो रही है और कोई भी इसे कभी भी देख सकता है। यह फिल्म वास्तव में साल 2018 में बनी थी और हमें लंदन सिटी फिल्म फेस्टिवल और वर्जिन स्प्रिंग सिनेफेस्ट जैसे फिल्म समारोहों में शामिल होने का अवसर भी मिला था। अब जब हर कोई घर पर ही है, तो हमने इसे रिलीज करने की योजना बनाई है।

लघु फिल्म का लेखन, निर्माण और निर्देशन विवेक नारंग ने किया है। इस बारे में विवेक ने कहा, फिल्म का प्रमुख थीम, हमारे भिन्नता से ऊपर उठने की हमारी क्षमता के साथ हमारे विचार और दुश्मनों से हमारी मातृभूमि की रक्षा के लिए एकसाथ खड़ा होना ही है। फ्लोरा खुद को भाग्यशाली महसूस करती हैं कि उन्हें देशभक्ति वाली लघु फिल्म में काम करने का मौका मिला।

सिर्फ 10 मिनट में बनाएं अदरक का टेस्टी अचार, जानिए बनाने की विधि

सामग्री :-

अदरक-250 ग्राम, -हरी मिर्च-100 ग्राम, नींबू का रस-3, हींग-1/2 छोटा चम्मच, नमक-स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर,1 छोटा चम्मच, सौंफ-1 छोटा चम्मच, राई- 1 छोटा चम्मच, सरसों का तेल- 2 छोटा चम्मच,

विधि :-

अदरक का अचार बनाने के लिए सबसे पहले अदरक को अच्छी तरह से धोकर, उसके लंबे-लंबे टुकड़े काट लें। अब इन टुकड़ों को सुखाने के लिए एक कपड़े पर फैलाकर कुछ देर के लिए रख दें, ताकि काटने के बाद इसमें आने वाली नमी दूर हो जाए।

अब हरी मिर्च को अच्छे से धोकर साफ करके उसके बीच में चीरा लगा लें। इसके बाद एक थाली में ऊपर बताए सारे मसाले डालकर अच्छे से मिला लें। फिर

इसी थाली में अदरक के टुकड़े और मिर्च डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें नींबू का रस और तेल डालकर अच्छी तरह मिला लें।

लेकिन तेल को मिक्स करने से पहले अच्छी तरह से मिला लें।इस अचार को सूखी कांच की बर्नी में रखें। लेकिन बर्नी को भी अच्छे से धोकर कुछ देर के लिए धूप रखें ताकि इसके अंदर की नमी भी दूर हो जाए। नहीं तो आपका अचार खराब हो सकता है। बर्नी को 2 दिन के लिए तक धूप में रखें। आपका अदरक का टेस्टी और हेल्दी अचार तैयार है। इसे आप 3 महीने तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य- 83

बाएं से दाएं
1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भुत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे
2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

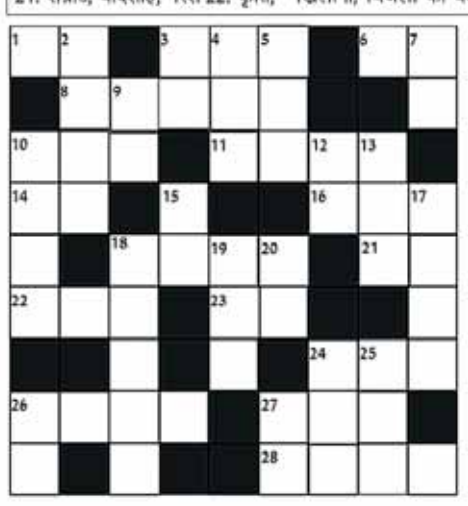

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 82 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

सू-दोकू- 83

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.82 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2